व्यावसायिक योजना

आय सृजन गतिविधि – चीड़ की पत्तियों के उत्पाद
राधे कृष्ण - स्वयं सहायता समूह रंगोल (बल्येंद्री)

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	राधे कृष्ण
वीएफडीएस का नाम	::	रंगोल
वन परिक्षेत्र	::	तारादेवी
वन मण्डल	::	शिमला

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना
(JICA द्वारा वित्त पोषित)
के तहत तैयार:

विषयसूची

क्रमांक	विवरण	पेज
1	पार्श्वभूमि	3
2	SHG/CIG का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	6
7	उत्पादन योजना	7
8	बिक्री और विपणन	7-8
9	स्वोट अनालिसिस	8
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11	अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
12	आर्थिक विश्लेषण का अनुमान	11
13	फंड की आवश्यकता	11
14	फंड के स्रोत	11-12
15	बैंक ऋण चुकौती	12
16	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
17	निगरानी विधि	12
18	समूह सदस्य तस्वीरें	13
19	एसएचजी संकल्प	14
20	वीएफडीएस द्वारा अनुमोदन	15
21	एफटीयू और डीएमयू की मंजूरी	16

पार्श्वभूमि

हिमालय के पहाड़ दुनिया भर से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। हिमालय के बड़े क्षेत्र में स्थित कुछ छोटे हिल स्टेशनों में घूमने और समय बिताने के लिए हर साल हजारों लोग आते हैं। जब कोई हिमालय में प्रवेश करता है तो चीड़ के पेड़ों का एक बड़ा क्षेत्र दिखाई देता है। वे लंबे, परिपूर्ण और अक्सर सुंदर के रूप में वर्णित हैं। लेकिन यह खूबसूरती जंगल को काफी महंगी पड़ी है। चूंकि चीड़ की पत्तियाँ अत्यधिक ज्वलनशील होती हैं और जंगल की आग का प्रमुख कारण होती हैं। ज्यादातर आग चीड़ के जंगलों में लगी थी क्योंकि गर्मियों के दौरान, पेड़ चीड़ की पत्तियों को बहा देते हैं जो तारपीन के तेल की समृद्ध सामग्री के कारण अत्यधिक ज्वलनशील होती हैं।

हालांकि, ये पत्तियाँ जो गर्मी के मौसम में जंगल की आग का प्रमुख कारण बनती हैं, ग्रामीण लोगों के लिए आय का स्रोत बन सकती हैं और जंगल की आग की संभावना को भी कम कर सकती हैं। यह पहल एक तरफ महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण दे सकती है, और वनों की रक्षा और संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी प्राप्त कर सकती है। चीड़ की पत्तियों का उपयोग सुंदर और आकर्षक हस्तशिल्प वस्तुओं जैसे कोस्टर, टेबल मैट, टोकरी, फूलदान, ट्रे, बक्से और अन्य सजावटी कृतियों को बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि इन वस्तुओं को बनाने की प्रक्रिया सरल है, लेकिन प्रत्येक टुकड़े को कलात्मकता का काम बनाने के लिए इन चीड़ की पत्तियों की बुनाई, कुंडल और चोटी के लिए कुछ मैन्युअल कौशल की आवश्यकता होती है।

1. SHG/CIG . का विवरण

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	राधे कृष्ण एसएचजी रंगोल (बल्येंद्री)
वीएफडीएस	::	रंगोल
वन परिक्षेत्र	::	तारादेवी
वन मण्डल	::	शिमला
गांव	::	बल्येंद्री
खंड	::	टुटू
जिला	::	शिमला
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	11
गठन की तिथि	::	20/08/2019
बैंक खाता संख्या	::	14100110059722
बैंक विवरण	::	यूको बैंक धामी
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100/-
कुल बचत		33000/-
कुल अंतर-ऋण		20000/-
नकद ऋण सीमा		-
चुकौती स्थिति		अच्छा

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक नहीं	नाम	पिता/ पति का नाम	आयु	श्रेणी	आय स्रोत	पता
1	श्रीमती सपना	श्री हरीश कुमार	29	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
2	श्रीमती कांता	श्री रमेश कुमार	37	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
3	श्रीमती मीना	श्री हेत राम	33	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
4	श्रीमती उमा देवी	श्री प्रकाश चंद	24	अनुसूचित जाति	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
5	श्रीमती ममता देवी	श्री महिंदर सिंह	35	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
6	श्रीमती मंजू	श्री धनी राम	35	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
7	श्रीमती कृष्णा	श्री हेम शंकर	37	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
8	श्रीमती मीना देवी	श्री राजेंद्र कुमार	48	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
9	श्रीमती रहा	श्री कुलदीप	34	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
10	श्रीमती रीता देवी	स्वर्गिय श्री सुख राम	44	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला
11	श्रीमती उर्मिला	स्वर्गिय श्री मनोहर	43	जनरल	कृषि	गांव _ बलेंद्री , पीओ कोहबाग तह और जिला। शिमला

3. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	32 किमी
3.2	मेन रोड से दूरी	::	9 मीटर
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	घनाहट्टी, 14 किमी, धामी 12 किमी।
3.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी		शिमला , 32 किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी		शिमला , 32 किमी
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	शिमला

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	::	चीड़ की पत्तियों के हस्तशिल्प
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय किया गया है
4.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

5. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		**विवरण**
चरण 1	::	**चीड़ की पत्तियों को इकट्ठा करना** - सहकारी अपने बच्चों के साथ मिलकर, अपने गाँव के चारों ओर की पहाड़ियों में आदर्श चीड़ की पत्तियों की खोज करने का काम करता है - लंबी और अखंड। ग्वाटेमाला के शुष्क मौसम के दौरान साल भर टोकरियाँ बनाने के लिए महिलाएं अक्सर आगे की योजना बनाती हैं, चीड़ की पत्तियों को इकट्ठा करती हैं।
चरण 2	::	**पत्तियाँ तैयार करना-** जब महिलाएं चीड़ इकट्ठा करने के दिन से लौटती हैं, तो वे पत्तियों को साफ करती हैं और उन्हें ग्लिसरीन वाले पानी में उबालती हैं, उसके बाद वे उन्हें अंदर सुखाती हैं। वे इन सूखे पाइंस को स्टोर करते हैं ताकि वे साल भर उत्पाद का उत्पादन कर सकें।
चरण 3	::	**बुनाई की टोकरियाँ और अन्य उत्पाद-** महिलाएं एक मजबूत आधार बनाने के लिए 5-10 पाइन पत्तियों के समूह के साथ बुनाई की प्रक्रिया शुरू करती हैं। चीड़ की पत्तियों के चारों ओर एक धागे को कसकर लपेटने से वे सुरक्षित हो जाते हैं। महिलाएं चीड़ की पत्तियों के समूह को एक सर्कल या अंडाकार में लपेटना जारी रखती हैं, धागे का

चरण		विवरण
		उपयोग करके आकृति बनाने के लिए और उत्पाद के सौंदर्य को जोड़ने के लिए भी महिलाएं विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन बनाने के लिए इस प्रक्रिया को जारी रखती हैं और अंतिम उत्पाद बनाने के लिए अक्सर सैकड़ों पाइन पत्तियों का उपयोग करती हैं।
चरण 4	::	**तैयार टोकरियाँ**- दिनों की कड़ी मेहनत के बाद महिलाएं विभिन्न प्रकार के विभिन्न उत्पादों और घरेलू सामानों का उत्पादन करती हैं।

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	उत्पादन (दिनों में)	::	साल भर
6.2	श्रमशक्ति	::	महिलाएं रोजाना बुनाई तब करती हैं जब वे अपनी दैनिक दिनचर्या की गतिविधियों से मुक्त हो जाती हैं।
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	जंगल से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	खुला बाजार
6.5	कच्चा माल - आवश्यक मात्रा (किलोग्राम) प्रति सदस्य	::	1800 किग्रा. /प्रति वर्ष

7. विपणन / बिक्री . का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान	::	शिमला स्थानिय बाज़ार
7.2	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	शिमला मार्केट में भारी मांग
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	एसएचजी सदस्यों ने स्थानीय और शिमला मार्केट में दुकानदार और प्रदर्शनी की पहचान की।
7. 4	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
7.5	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7.6	उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

8. स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**
  - गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
  - जंगल में कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
  - उत्पाद आत्म-जीवन लंबा है
- **कमज़ोरी**
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - समय लेने वाली प्रक्रिया।
- **मौका**
  - हस्तशिल्प उत्पादों के प्रति बढ़ रही दिलचस्पी
  - पर्यटन स्थल बाजार शिमला तक आसानी से पहुंचा जा सकता है
  - दैनिक दिनचर्या की गतिविधियों के बाद खाली समय का सर्वोत्तम उपयोग।
- **जोखिम**
  - बरसात के मौसम में नमी के कारण उत्पादन के टूटने की संभावना।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार
  - प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- **उत्पादन** - कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा
- **गुणवत्ता आश्वासन** - सामूहिक रूप से
- **सफाई और पैकेजिंग** - सामूहिक रूप से
- **मार्केटिंग** - सामूहिक रूप से
- **इकाई की निगरानी** - सामूहिक रूप से

10. अर्थशास्त्र का विवरण

(राशि वास्तविक रु. में)

क्रमांक	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या।	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	**पूंजी लागत**								
1	पाली बुना कपड़ा बैग	संख्या	11	500	5500	0	0	0	0
2	दारी (10x12)	संख्या	1	2000	2000	0	0	0	0
3	छेदन यंत्र	संख्या	1	3000	3000	0	0	0	0
4	कैंची	संख्या	11	200	2200	0	0	0	0
5	इंच टेप	संख्या	11	30	330	0	0	0	0
6	प्लास्टिक शीट (10x12)	संख्या	6	1500	9000	0	0	0	0
7	लोहे के रैक	संख्या	6	3000	18000	0	0	0	0
	उप कुल				**40,030**				
बी	**आवर्ती लागत**								
1	सुइयों	संख्या	55	5	275	210	221	232	243
2	धागा	संख्या	660	20	13200	10080	10584	11113	11669
3	लकड़ी के टुकड़े	संख्या	660	100	66000	50400	52920	55566	58344
4	श्रम लागत	प्रति नग	660	300	198000	151200	158760	166698	175033
5	पैकिंग सामग्री	संख्या	660	10	6600	5040	5292	5557	5834
6	अन्य हैंडलिंग शुल्क (परिवहन)	संख्या	660	10	6600	5040	5292	5557	5834
	कुल आवर्ती लागत				**290675**	**305208**	**320468**	**336491**	**353315**
	कुल लागत = पूंजी और आवर्ती				**330705**	**305208**	**320468**	**336491**	**353315**
	बिक्री	संख्या	660	600	**396000**	**415800**	**436590**	**458419**	**481340**
	शुद्ध रिटर्न (सीबी)				**65295**	**110592**	**116122**	**121928**	**128025**

नोट - चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और जंगल में पहले से उपलब्ध पाइन सुई और इन सामग्रियों की खरीद नहीं की जाएगी , इसलिए , आवर्ती लागत (श्रम लागत, कच्चे माल की खरीद की लागत) को कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है। कीमत।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**	
पूंजी लागत	**40,030**					
आवर्ती लागत	290675	305208	320468	336491	353315	
कुल लागत	330705	305208	320468	336491	353315	
कुल राजस्व	396000	415800	436590	458419	481340	
शुद्ध लाभ	**65295**	**110592**	**116122**	**121928**	**128025**	

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

11. आर्थिक विश्लेषण के संदर्भ

- चीड़ की पत्तियों का उपयोग सुंदर और आकर्षक हस्तशिल्प वस्तुओं जैसे कोस्टर, टेबल मैट, टोकरी, फूलदान, ट्रे, बक्से और अन्य सजावटी कृतियों को बनाने के लिए किया जा सकता है।
- चूंकि चपाती बॉक्स की मांग 90% है इसलिए यहां चपाती बॉक्स को गणना के उद्देश्य से लिया जाता है।
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रत्येक वर्ष 60 से अधिक विभिन्न मदों का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 11 सदस्यों द्वारा 660 से अधिक मदों का उत्पादन किया जाएगा।
- चपाती बॉक्स की उत्पादन लागत रु.440.00 (प्रति यूनिट) है।
- चीड़ की पत्तियों के उत्पाद बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे SHG सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

12. फंड की आवश्यकता:

क्रमांक नहीं।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	**40030**	30023	10007
2	कुल आवर्ती लागत	290675	---	290675
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	----
	कुल =	**3,80,705**	**80023**	**300682**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत - पूंजीगत लागत** का 75% परियोजना के तहत कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13. फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। • एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सामग्री की खरीद की जाएगी।

एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें शेड/शेड के निर्माण की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

14. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

16. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

समूह के सदस्यों की तस्वीरें -

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Radhe Krishan held on 08-12-21 at Balyandei that our group will undertake the Pine Needle Handicrafts as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted).

Sapna
प्रधान सचिव कोषाध्यक्ष
"राधे कृष्ण" स्वयं सहायता समूह
Signature of Group Pradhan

Kamla
प्रधान सचिव कोषाध्यक्ष
"राधे कृष्ण" स्वयं सहायता समूह
Signature of Group Secretary

पंजीकरण सं०-07/2020

ग्रामीण वन विकास समिति (V.F.D.S.) रंगोल

ग्राम पंचायत मायली जेजड़, डाकघर कोहबाग, तहसील व जिला शिमला (हि०प्र०)

दूरभाष न०:- 96251-06515 (प्रधान), 70185-57964 (सचिव)

क्रमांक 1 दिनांक 08-12-21

Business Plan APProval by VFDS

Radhe Krishan group will undertake the Pine Needle Handicrafts as Livelihood income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods (JICA Assisted).

In this regard Business plan of amount (RS) 3,80,705/- has been submitted by this group on dated 08-12-2021 and this business plan has been approved by Rangol VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being Submitted to DMU through FTU for Further action, Please

Thank you

Signature of VFDS Pradhan

Village Forest Development Society Rangol

Signature of VFDS Secretary

Village Forest Development Society

Submitted to DMU through FTU

Name & Signature of FTU Officer

Name & Signature of FTU Coordinator

स्वीकृत

DFO-cum-DMU OFFICER
JICA FORESTRY Project
SHIMLA

Name & Signature of DMU Officer